02 विद्यालय में पौधारोपण कर बच्चों को वृक्षों का जीवन में महत्व की दी जानकारी

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04 जिले में 20 साल बाद तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, गुरुवार, 11 मई 2023 | **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र** | विक्रमी संवत 2080, मास-ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष षष्ठी, मूल्य, 2.00 रुपए

अग्रवाल महाविद्यालय में दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में अर्थशास्त्र, प्रबंध और वाणिज्य विभागों के तत्वावधान में चेंजिंग सिनेरियो ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड: गेन्स एंड चैलेंजेस फॉर इंडिया विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का बुधवार को समापन किया गया। यह सम्मेलन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा अनुमोदित था। इस सम्मेलन को कुल 8 तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 चैलेंजेस एंड अपॉरच्युनिटी शीर्षक किताब का विमोचन भी किया गया। दूसरे दिन पांचवें सत्र की अध्यक्षता डॉ. विजित चतुर्वेदी एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा की गई, आमंत्रित वार्ता प्रोफेसर एसके चक्रवर्ती, फॉर्मर हेड डीन एकेडमिक्स एनआईटी, कुरुक्षेत्र द्वारा दी गयी, उन का विषय था। डब्ल्यूटीओ एडवांटेज एंड डिसएडवांटेज। उन्होंने वार्ता में इकोनॉमिक्स और फिजिक्स को जोडकर ईकोनोफिजिक्स शब्द का प्रयोग किया और आगे इसी पर शोध करने की आवश्यकता को उजागर किया। उन्होंने वीडिओज के माध्यम से बड़े ही रोमांचित तरीके से डब्ल्यू.टीओ के फायदे और नुकसानों को बताया। पांचवें सत्र का मंच संचालन डॉ. डिंपल द्वारा सुचारू रूप से किया गया। छठे सत्र में अध्यक्ष की भूमिका डॉ. रेनू अग्रवाल, जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, फरीदाबाद ने निभाई तथा आमंत्रित वार्ता डॉ. विजित चतुर्वेदी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा दी गई। उनकी थीम स्ट्रेटेजिक एंड ट्रांसफोर्मेटिव पोजिशनिंग ऑफ इंडिया एज ए ग्लोबल डेस्टिनेशन आप फ्यूचरिस्टिक आस्पेक्ट। उन्होंने हमारे देश के विभिन्न विभागों जैसे रक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बैंकिंग और बीमा व शोध विभाग के विकास के बारे में बताया तथा यह भी बताया कि ये विभाग कैसे आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इसी सत्र में दूसरी आमंत्रित वार्ता डॉ. प्रगति चौहान, विभागाध्यक्ष एमबीए, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज द्वारा दी गयी। जिनका विषय कैपिटलाइज ऑन आवर स्ट्रेंथस टू बिल्ड इन्क्लूसिव एंड रेजिलिएंट इकॉनमी रहा। सातवें सत्र में अध्यक्ष की भूमिका अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत जी ने निभाई। इस सत्र की आमंत्रित वार्ता डॉ. प्रियंका सिंह द्वारा दी गई। उनकी वार्ता का विषय द इंपैक्ट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग ऑन इंटरनेशनल ट्रेड रहा। इसी सत्र में दूसरी आमंत्रित वार्ता डॉ. मनोज शुक्ला हेड डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स को ऑर्डिनेटर आईक्यूएसी, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ द्वारा दी गई। उनका विषय था इंटरनेशनल ट्रेड चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज। आठवें सत्र के समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर जयप्रकाश यादव, वाइस चांसलर इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी, मीरपुर, रेवाडी रहे। मुख्य अतिथि ने बताया कि अगर कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़बनाना चाहता है तो उसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाना होगा। प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता जी ने की, उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार देश के औद्योगिक विकास में भी सहायक होता है उद्योगों के विकास हेतु जो साधन देश में उपलब्ध नहीं है उनका विदेशों से आयात किया जा सकता है और जो संसाधन देश के पास अधिक मात्रा में है उनका निर्यात किया जा सकता है। समापन भाषण प्रोफेसर रवि के हांडा डायरेक्टर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी फरीदाबाद ने [illegible] कार्यक्रम के [illegible] शुक्ला ने किया।

संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केके गुप्ता। आज समाज